



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 237] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 5, 1975/आषाढ़ 14, 1897

No. 237] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 5, 1975/ASADHA 14, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th July, 1975

S.O. 313(E)/IDRA/10/75/2.—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 10 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby specifies the class of undertakings mentioned in the Schedule to this notification for the purposes of the said sub-section and specifies a period of three months from the date of publication of this notification in the Official Gazette as the period within which the owner of every industrial undertaking falling within any such class shall produce his certificate of registration for entering therein the productive capacity of the said industrial undertaking and other particulars referred to in that sub-section.

SCHEDULE

Undertakings pertaining to the following industries:—

- (i) Leather footwear.
- (ii) Drugs and Pharmaceuticals.
- (iii) Cigarettes.
- (iv) Dyestuffs.
- (v) Soap.
- (vi) Cosmetics and Toilet preparations.
- (vii) Paints, Enamels and Varnishes, and
- (viii) Matches.

[No. F.12(3)/Lic.Pol./74.]

I. MAHADEVAN, Jt. Secy.

उद्योग और नागरिक पूति संशालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1975

का० प्रा० 313 (अ)/आई० जी० आर० आई०/10/75/2:—उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 10 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, इस अधिसूचना की अनुसूची में वर्णित उपक्रमों के वर्ग की, उक्त उपधारा को प्रयोजनार्थ, विनिर्दिष्ट करती है और राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन मास की अवधि को ऐसी अवधि के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिसके भीतर, ऐसे किसी वर्ग में आने वाले हर औद्योगिक उपक्रमों के स्वामी, अपने रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को उसमें उक्त औद्योगिक उपक्रम की उत्पादन-क्षमता और उक्त उपधारा में निर्दिष्ट अन्य विभिष्टियां दर्ज करने के लिए पेश करेंगे ।

अनुसूची

निम्नलिखित उद्योगों से सम्बन्धित उपक्रम :—

- (i) चमड़े के जूते,
- (ii) औषधि और वैज्ञानिक,
- (iii) सिगरेट,
- (iv) रजक,
- (v) साबुन,
- (vi) प्रसाधन सामग्री और शृंगार विनिर्मितियां,
- (vii) पेंट, इर्नमल और वार्निश, और
- (viii) माक्स ।

[सं० 12(3)/एल जी /74]

आई० महादेवन, संयुक्त सचिव ।